पत्र लेखन- 2

---

5. प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र, बुक बैंक से पुस्तकें दिलवाने के लिए।

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य जी,

केंद्रीय विद्यालय,

जनकपुरी, नई दिल्ली

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में तीन (बी) कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिताजी निर्धन व्यक्ति हैं और मुझे पढ़ा सकने में असमर्थ हैं। मैं जैसे-तैसे अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ। मैने कुछ रुपये इधर-उधर कार्य करके इकट्ठे किए थे। उससे मैंने विद्यालय में प्रवेश तथा कुछ कापियाँ खरीद ली हैं। लेकिन अपनी कक्षा की पुस्तकें खरीद पाने में असमर्थ हूँ। मेरी निर्धनता को देखते हुए अपने विद्यालय के बुक बैंक से पाँचवी कक्षा की सारी पुस्तकें दिलवाने की आज्ञा प्रदान करें। जिससे मैं पुस्तकें न खरीद पाने की चिंता से मुक्त हो सकूँ। पुस्तकें दिलवाने की अति कृपा होगी। अतः इसके लिए मैं आजीवन आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद

दिनांकः 14 मई, 20xx

आपका आज्ञाकारी शिष्य

राजेश

कक्षा- तीन (बी)

6. पिता के स्थानांतरण हो जाने पर विद्यालय से प्रमाण पत्र लेने हेतु प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,

आदर्श बाल निकेतन,

कानपुर।

मान्यवर,

सानुरोध प्रार्थना है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण कानपुर से जयपुर हो गया है। इसलिए हमारा पूरा परिवार जयपुर जा रहा है। मुझे न चाहते हुए भी यह विद्यालय छोड़कर उनके साथ जाना पड़ रहा है। अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र देने की कृपा करें, ताकि मेरा वहाँ विद्यालय में प्रवेश हो सके।

धन्यवाद।

दिनांक : 8 सितंबर, 20xx

आपका आज्ञाकारी शिष्य

राजेश गुप्ता कक्षा पाँचवी

(ब) अनुक्रमांक -2

7. परीक्षा में कम अंक प्राप्त करने पर पिता की ओर से पत्र।

1241/3 अल्लीगंज

भागलपुर (बिहार)

दिनांक 4 अप्रैल 20xx

प्रिय योगेश,

स्नेहाशीष!

आपके प्रधानाचार्य द्वारा भेजा गया प्रगति कार्ड मिला। परीक्षा पत्र के अंक देखे। इतने कम अंक देखकर मन बहुत उदास हुआ। कहाँ तुम यहाँ पर प्रथम आते थे, और वहाँ पर पास होने के भी लाले पड़ गए हैं। क्या गणित में 35 अंक, अंग्रेजी में 27 अंक लेने के लिए तुम्हें छात्रवास में भेजा था। मुझे तुमसे ऐसी उम्मीद न थी, लगता है तुम बुरी संगत में पड़ गए हो। अब भी समय रहते संभल जाओ। मुझे आशा है कि तुम अगली परीक्षा में अच्छे अंक लेकर मेरे दुःखी मन को प्रसन्न करने का प्रयत्न करोगे। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, इसे समझकर अच्छे अंक लेने के लिए अभी से जुट जाओ।

शुभाकांक्षी

तुम्हारा पिता